ड्रम्स के जमाने में

किम एल. सीगलसन

चित्र: ब्रायन पिंकनी

बहुत पहले के समय में जीवित ओक, ड्रम की आवाज़ सुनकर कांपते थे और, कुछ लोग कहते हैं, वो एक ऐसा समय था जब लोग पानी के नीचे चल सकते थे...

तब ऐसा हुआ करता था कि खलिहान जितने बड़े जहाज टीकेटल क्रीक के पास गोदी में उतरते थे - गुलाम जहाज अफ्रीकी लोगों को बागानों, प्लांटेशन्स में काम करने के लिए लाते थे. द्वीप पर रहने वाले कुछ अफ्रीकियों ने खुद को घर की याद दिलाने के लिए बकरी की खाल के ड्रम बनाए. वे अपने वतन वापस लौटना चाहते थे. युवा मेंटू ने अफ्रीका को कभी नहीं देखा था, वह वहीं द्वीप में पैदा हुआ एक लड़का था. लेकिन दादी ट्वी के खून में अफ्रीका बसा था - वह अपने वतन के लिए तरसती थी. ट्वी की शिक्षाओं की बदौलत, मेंटू ने ड्रम बजाना सीखा और संगीत की ताकत का सम्मान करना सीखा. जब अफ्रीकियों को ले जाने वाला एक गुलाम जहाज टीकेटल क्रीक पर रुका, तो ड्रम से धड़कन निकली - जहाज के अंदर मौजूद अफ्रीकियों की दहाड़ जो अपनी मातृभूमि वापिस जाने के लिए दौड़ पड़े. धड़कन ने ट्वि को बुलाया और उसे आज़ादी की तलाश करने के लिए प्रेरित किया. लेकिन आज़ादी की एकमात्र जगह टीकेटल क्रीक का गंदा पानी है. अब ट्वी को ड्रम के लालच और उस द्वीप के बीच में चयन करना होगा जिसे युवा मेंटू अपना घर कहता है.

ड्रम्स के जमाने में

किम एल. सीगलसन

चित्र: ब्रायन पिंकनी

ड्रम्स के जमाने में

बहुत पहले के समय में, दलदली घास के मैदानों से घिरे और समुद्र की लहरों से धुले एक द्वीप पर, मर्द और महिलाएं और उनके बच्चे गुलामी में रहते थे. यह वह समय था जब विशाल जीवित ओक के पेड़, ड्रम की आवाज़ से कांपते थे और, कुछ लोग कहते हैं, कि वह ऐसा समय था जब लोग पानी के नीचे चल सकते थे.

उन शुरुआती दिनों में, खलिहान जितने बड़े जहाज टीकेटल क्रीक के पास एक चट्टान पर एक घाट पर रुकते थे: समुद्री डाकुओं के जहाज खजाने को दफनाने के लिए, दालचीनी से भरे मालवाहक जहाज, बागानों के खेतों पर काम करने के लिए अफ्रीकी लोगों को ले जाने वाले गुलाम जहाज.

उनमें से कुछ अफ्रीकियों को लकड़ी तराशना, घास की टोकरियाँ बुनना और बकरी की खाल के ड्रम बनाना आता था. वे चीजें उन्हें अपने गांव और घर की याद दिलाती थीं. वे कभी अपने घर वापस ज़रूर लौटना चाहते थे. एक लड़का, जिसका नाम मेंटू था, उसने कभी अफ्रीका को नहीं जाना था, न ही वो उसके लिए कभी तरसता था. क्योंकि वह लड़का उस द्वीप पर ही पैदा हुआ था.

मेंटू, किसी गिलहरी से भी तेज़ गति से जीवित ओक की चोटी तक पहुँच सकता था. एक हाथ से अपने सिर के ऊपर एक काले लोहे की कड़ाही उठा सकता था, भले ही वह अभी भी बच्चों की शर्ट पहनता था. "देखो मैं कितना ताकतवर हूँ!" वह अपनी दादी ट्वी से कहता था.”

ट्वी मुस्कुराती और वो उससे कहती, "अपनी मूर्खता बंद करो, नहीं तो ओवरसियर तुम्हें पकड़ लेगा. हाँ, तुम जल्द ही काफी ताकतवर बन जाओगे."

"कब?" मेंटू पूछता, लेकिन ट्वी उसका कोई उत्तर नहीं देती थी.

मेंटू हमेशा ट्वी के साथ रहता था. सभी द्वीपवासी, काले और गोरे, ट्वी से डरते थे.

अफ्रीका, ट्वी का जन्मस्थान था.

वहाँ, ट्वी ने अपनी दादी की गोद में शक्तिशाली जादू सीखा था. इबो उस जादूई महिला, द्वीपवासी ट्वी को "किसी भी जीवित व्यक्ति से अधिक वृद्ध" मानते थे. लेकिन मेंटू उनकी बात पर ध्यान नहीं देता था क्योंकि उसने केवल ट्वी की दयालुता देखी थी. ट्वी, मेंटू को अपनी आत्मा की तरह प्यार करती थी. अपनी जन्मभूमि की दूर-दूर तक फैली नदियों और पहाड़ों की तरह. कुछ लोगों के अनुसार मेंटू की पहली साँस, ट्वी के मुँह से आई थी. एक नए बच्चे के रूप में मेंटू तब तक बिल्कुल शांत था जब तक कि ट्वी ने जीवन का रहस्य उसके कान में नहीं फुसफुसाया. वह इस सच्चाई पर रोया था और उसने अपनी मुट्ठियाँ ट्वी पर लहराई थीं, और उस जादुई थैले पर जो ट्वी पकड़े हुए थी. "मुट्ठियों से नहीं," ट्वी ने उसे अपनी छाती से सटाते हुए कहा था. "ध्यान से सुनो और ताकतवर बनना सीखो." फिर मेंटू, ट्वी के दिल की आवाज़ सुनकर सो गया था.
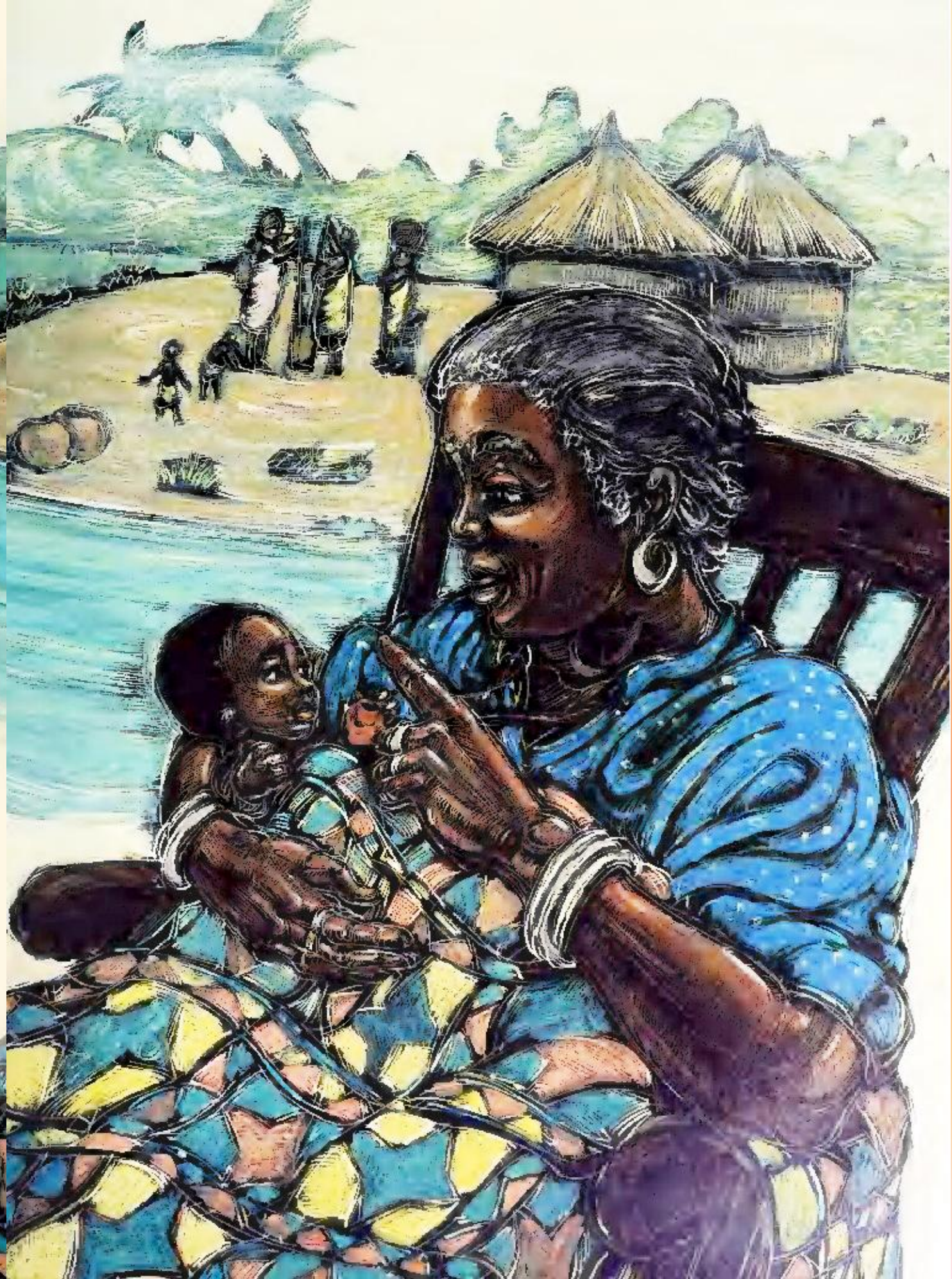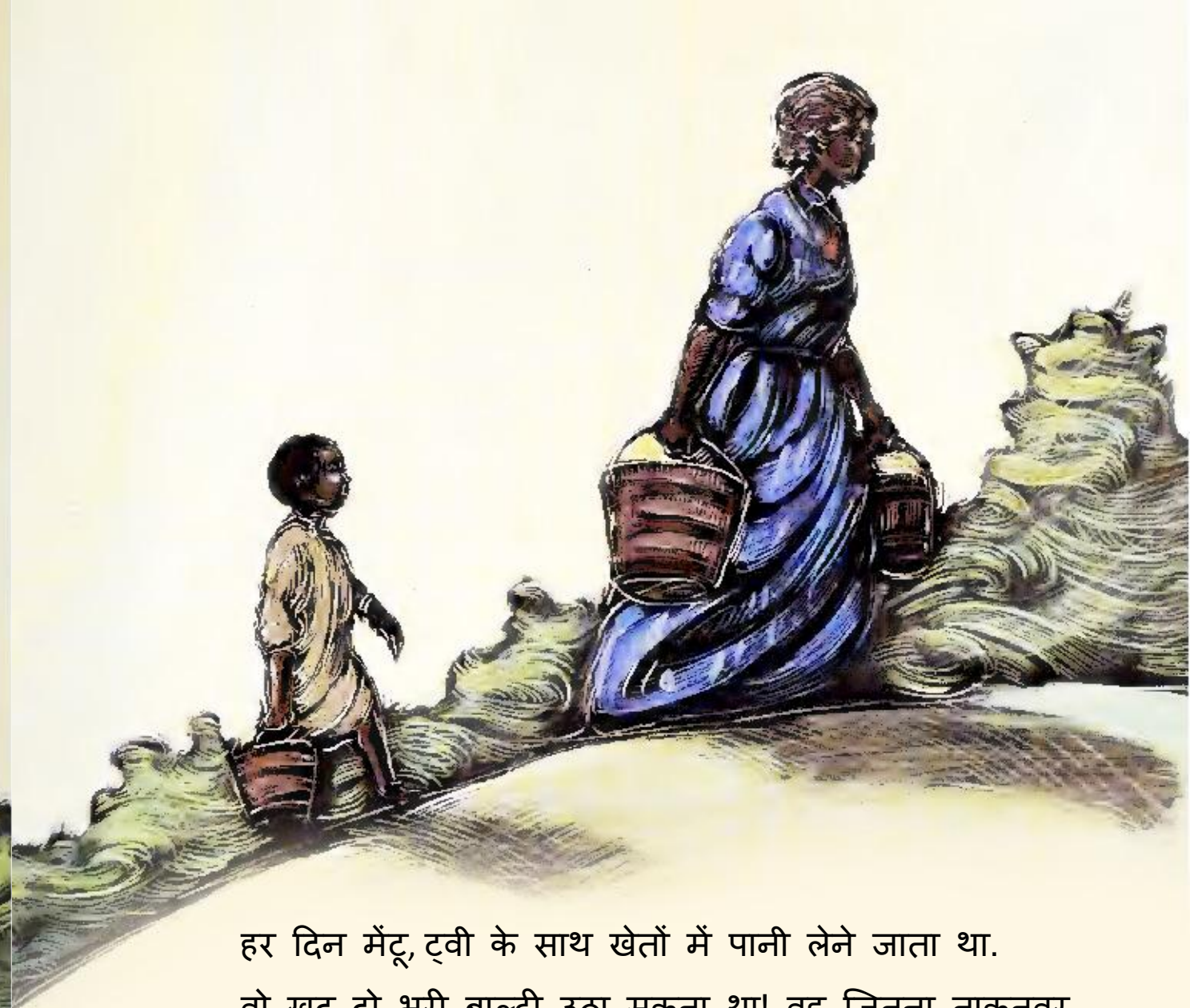
हर दिन मेंटू, ट्वी के साथ खेतों में पानी लेने जाता था.

वो खुद दो भरी बाल्टी उठा सकता था! वह जितना ताकतवर दिखता था, वह उतना शरारती भी था.

"बाल्टी के हैंडल मेरे हाथों को चुभते हैं," मेंटू कभी-कभी ट्वी से शिकायत करता था. "आज तुम मेरा पानी लेकर जाओ."

"नहीं सर!" वह कहती और अपनी जीभ चटकाती. "ट्वी तुम्हारा बोझ नहीं उठा सकती. जब तुम्हारे हाथ दुख रहे हों तो खेत में काम करने वाले गुलामों को देखो और फिर अपनी किस्मत का शुक्र मनाओ. जल्द ही तुम ताकतवर बनोगे और फिर ट्वी तुम्हारी कोई मदद नहीं करेगी."

"अगर तुम मुझे नहीं बताओगी तो मुझे कैसे पता चलेगा कि मैं कब ताकतवर बन गया हूं?" मेंटू ने पूछा.

ट्वी ने फिर भी जवाब नहीं दिया. वह कई रहस्य जानती थी. वह सिर्फ़ वही बातें साझा करती थी जो वह चाहती थी.

मेंटू ने खेतों की ओर देखा. उसने लोगों को तपती धूप में झुककर कपास, गन्ने और नील के खेतों में काम करते देखा. देखा कि कैसे वे सुबह के लेकर रात के अंधेरे तक काम करते थे और जो फसल वे खुद नहीं रख सकते थे वे उसे काटते थे.

ट्वी ने उसे बताया कि लंबे, कठिन परिश्रम ने उन्हें तोड़ दिया था. उससे अफ़्रीका की यादें उनके दिमाग में इतनी पीछे चली गई थीं कि अब उन तक पहुँचाना बहुत मुश्किल था. पुराने तरीके अब धीरे-धीरे खत्म हो गए थे और वे जुताई की गई कतार में पसीने की बूंदों की तरह पीछे छूट गए थे.

लेकिन ट्वी को अपना पहले का समय याद था.

वो सुबह काम करते समय खुद के लिए पुराने शब्द बुदबुदाती थी. दोपहर में मेंटू के लिए अफ़्रीकी गाने गाती जब तक कि मेंटू उन्हें वापस न गा सके. रात के खाने में वो उसे इतनी समृद्ध पुरानी कहानियाँ सुनाती थी कि वो अपनी मातृभूमि की मीठी-सुगंधित हवा को लगभग सूँघ सकता था. ट्वी अपने घुटनों के बीच चमड़े का ड्रम रखती और उसे प्राचीन लय सिखाती जब तक कि वो उसके दिल की स्वाभाविक धड़कन की तरह न लगने लगे.

फिर, एक दिन इतनी गर्मी हुई कि मच्छरों ने भी अपना रोना बंद कर दिया और वे पेड़ों की छाया में बैठ गए. उस बेदम शांति में, मेंटू और ट्वी ने अपनी बाल्टियाँ कुएँ के पानी से भरीं. लेकिन इससे पहले कि वे उन्हें खेतों में ले जाते, उन्होंने द्वीप के दूसरे छोर से ढोल बजने की आवाज़ सुनी. बोप-बूम-बूम! बोप-बूम-बूम! उस लय में एक संदेश था जिसका मतलब था "एक जहाज आ गया है! एक जहाज आ गया है!"

मेंटू ने अपना ढोल बजाया, बी-ई-बो. बी-ई-बो. "हम सुन रहे हैं, हम सुन रहे हैं." फिर मेंटू और ट्वी बाकी सभी लोगों के साथ एक चट्टान पर इकट्ठा हुए यह देखने के लिए कि जहाज क्या लाया था. उस पर स्पेनिश झंडा लहरा रहा था, लेकिन उसमें भारत का सोना, जवाहरात या मीठे मसाले नहीं थे. जहाज में अफ्रीकी राज्य बेनिन के 100 लोगों का एक पूरा गाँव था. उन्हें जहाज के मालिकों ने पकड़ लिया था और उन्हें बेचने के लिए द्वीप पर लाया गया था.
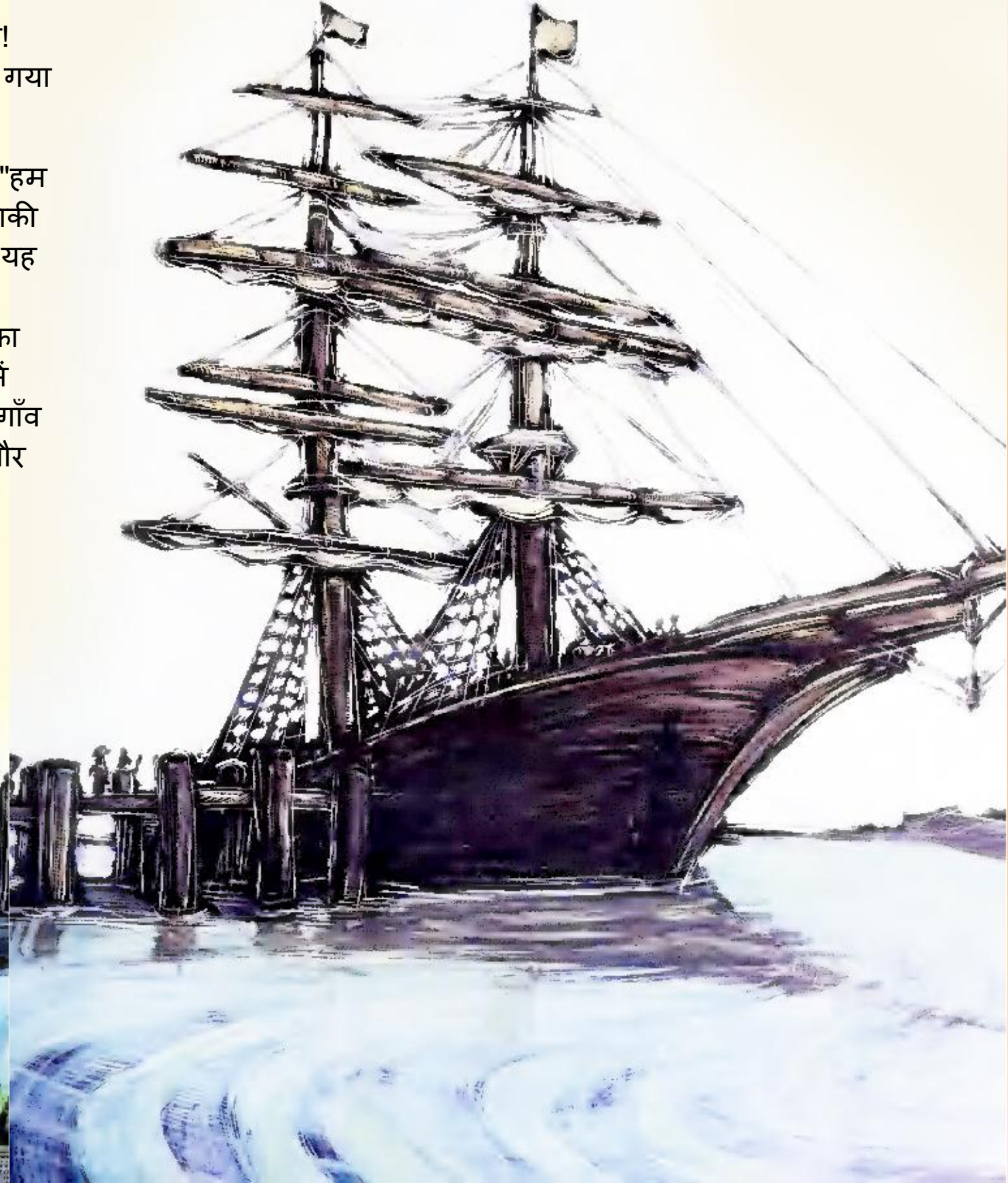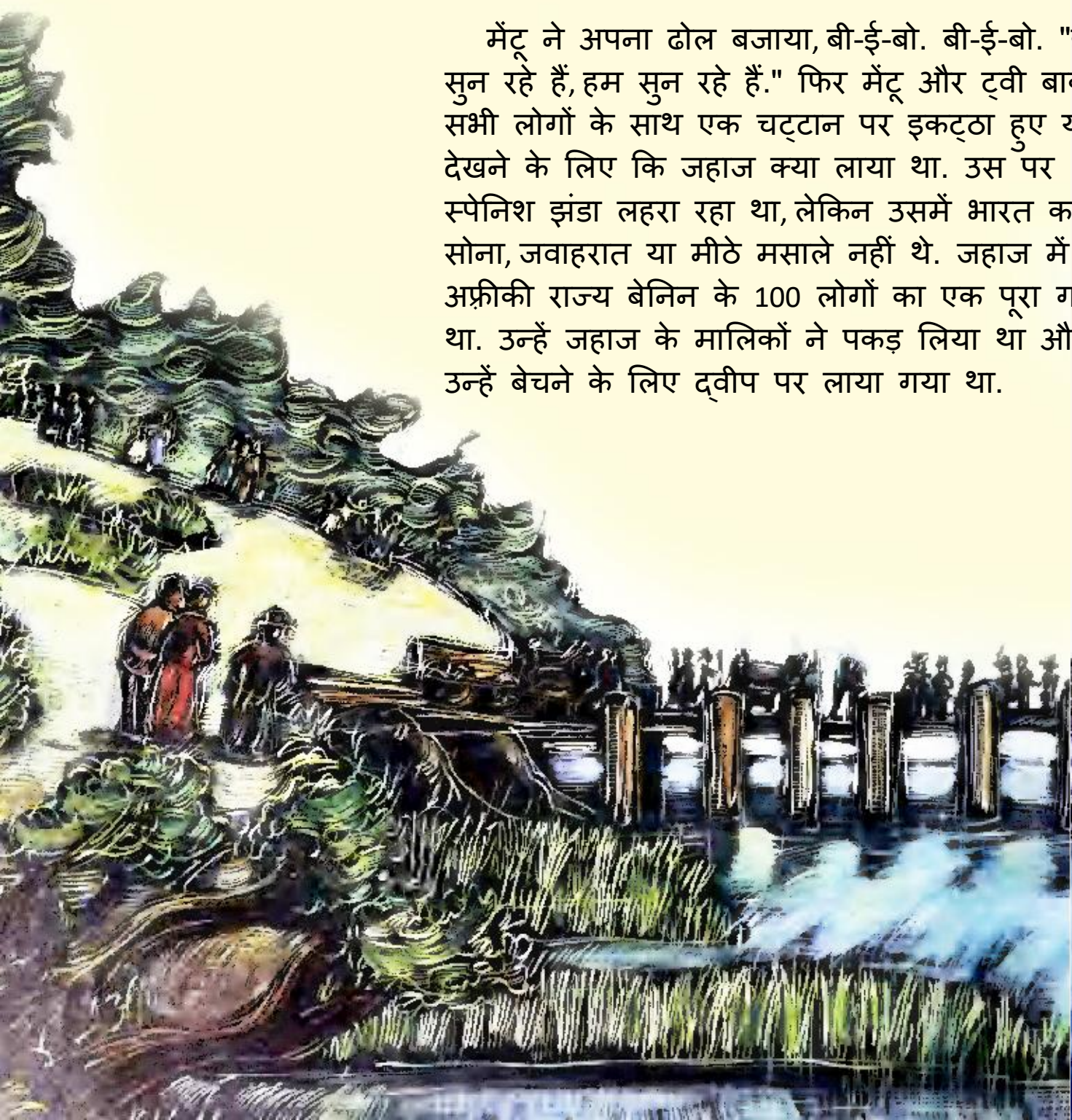
समुद्री मार्ग पर उनकी यात्रा लंबी रही थी, जिसमें उन्होंने कई दिन जहाज के हिलते हुए डेक के नीचे हवा रहित अंधेरे में बिताए थे.

जब जहाज ने चट्टान पर आकर लंगर डाला, तब इबो लोग समुद्री लहरों की टक्कर नहीं सुन सके. उन्हें केवल जहाज की कराहट, फड़फड़ाते पाल और उनकी अपनी कठोर साँसें सुनाई दे रही थीं. वे काँप रहे थे और चुपचाप प्रतीक्षा कर रहे थे, अपने भाग्य के बारे में कुछ जानने के लिए सुन रहे थे. जहाज के लकड़ी के हिस्से से द्वीप के ड्रम की आवाज़ आ रही थी जो अफ्रीका का संगीत था.

"क्या कोई जादू हमें घर ले आया है?" वे चिल्लाए. उन्होंने लकड़ी के फर्श पर अपने पैरों का उपयोग करके उसका उत्तर दिया.
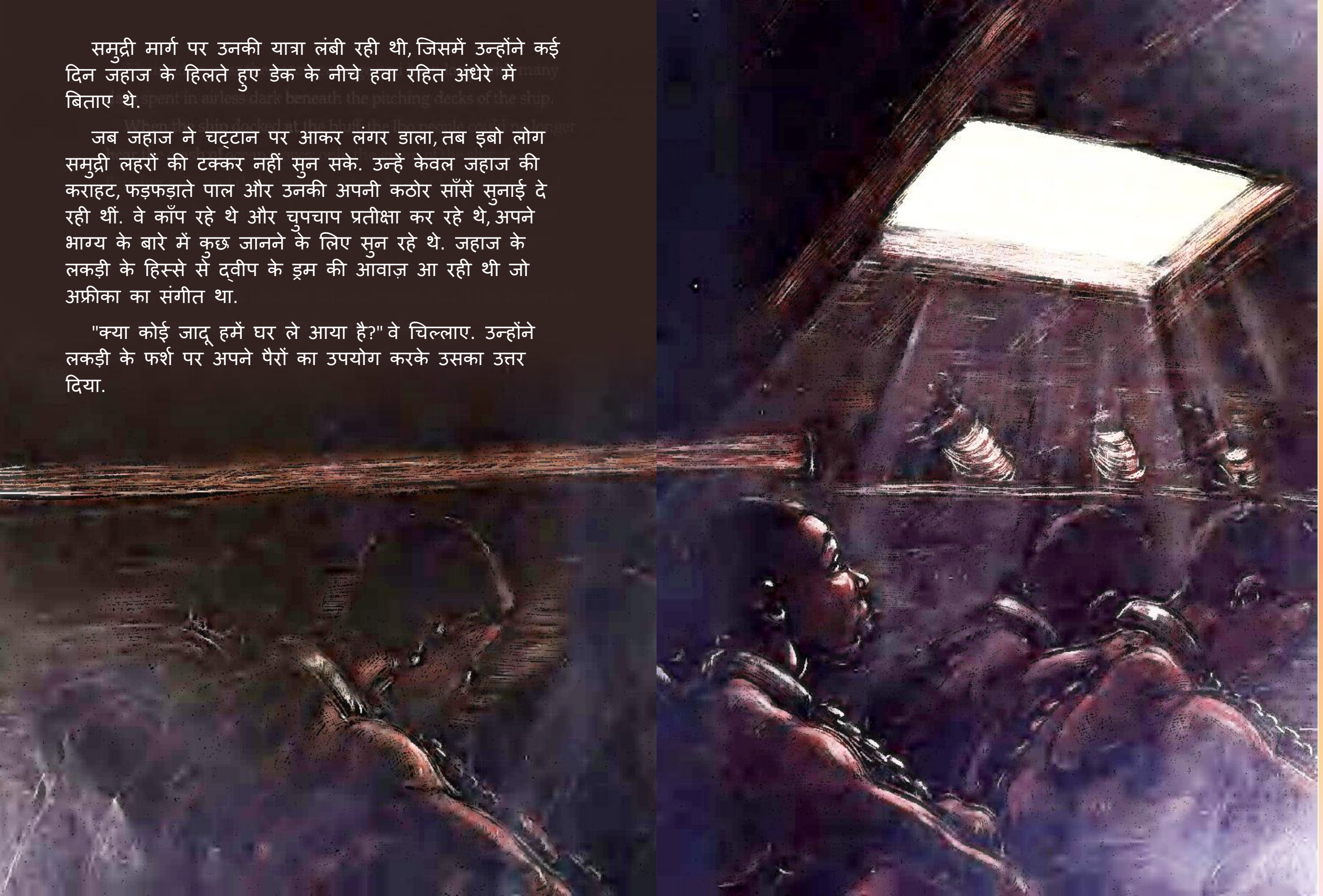
मेंटू ने उनके तेज़ पैरों की गड़गड़ाहट सुनी, जो उसके दिल की धड़कन की तरह उससे बात कर रही थी. "हम घर आ गए हैं! हम घर आ गए हैं!" लोगों ने ढोल बजाया. लेकिन असल में वे अपने घर से बहुत दूर थे.

मेंटू और ट्वी ने जहाज के अंधेरे पतवार से इबो लोगों को प्रकाश में आते देखा. देखा कि वे कैसे सूरज की रौशनी में अपनी आँखें सिकोड़ रहे थे. वे कैसे अपरिचित दलदली घास के मैदानों को निराशा में देख रहे थे. वो जहाज उन्हें अफ्रीका वापस नहीं ले जाएगा. वो उन्हें फिर कभी घर वापिस नहीं ले जाएगा.
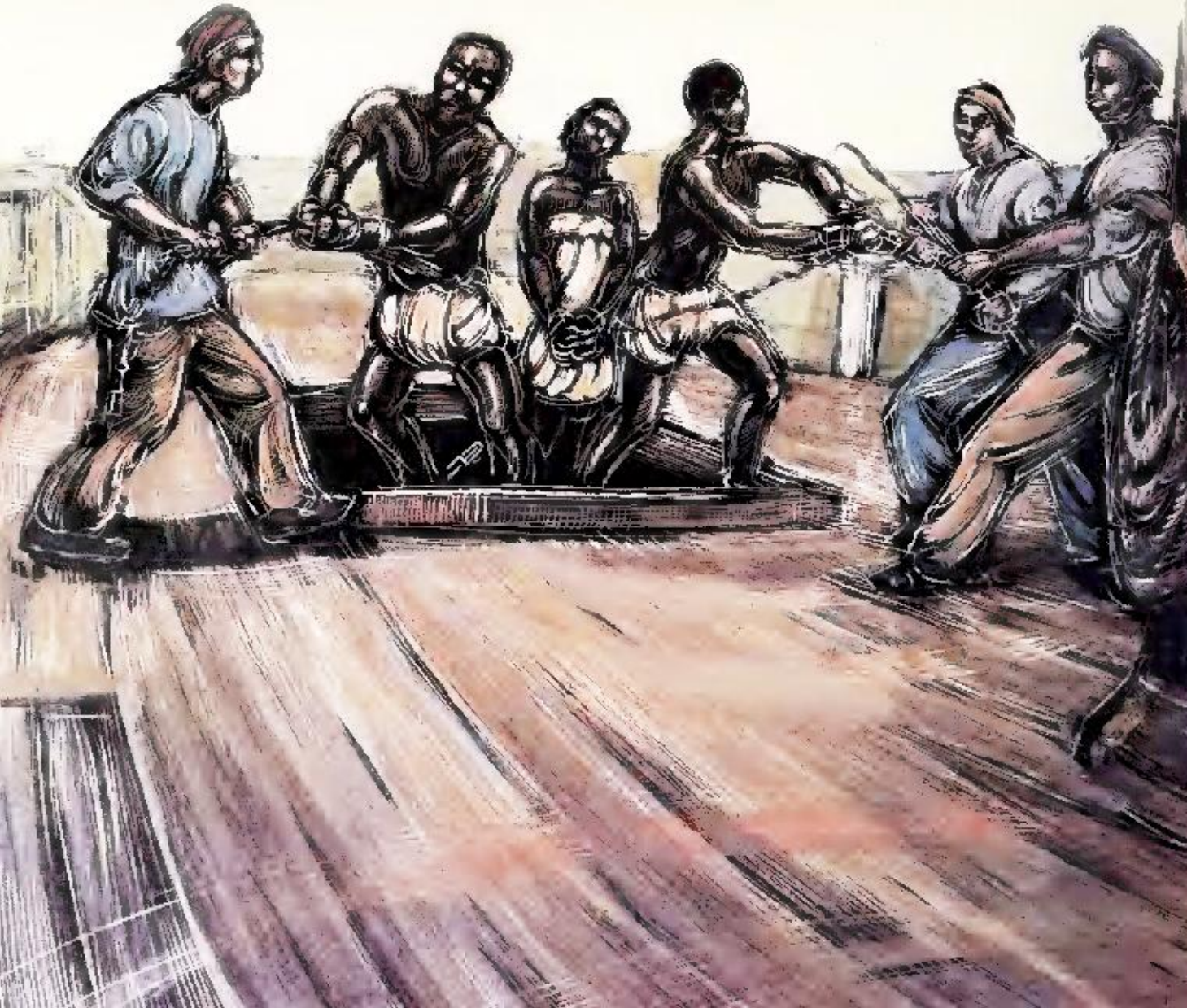
जहाज के कप्तान ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए जितना भी उकसाया, इबो लोगों ने द्वीप पर पैर रखने से इनकार कर दिया. जब ओवरसियर ने उन्हें चाबुक से मारा तो मेंटू पीछे हट गया. लेकिन लोग चाबुक के आगे झुके नहीं. उन्होंने अपने हाथों को कसकर जकड़ा और अपनी भाषा में एक गीत गाना शुरू किया.

मेंटू ने ऐसे सुना जैसे उसकी आत्मा उसके कानों में बसी हो. उसने उनके गीत में ट्वी का संगीत सुना. उस जगह के पुराने शब्द जहाँ ट्वी पैदा हुई थी.
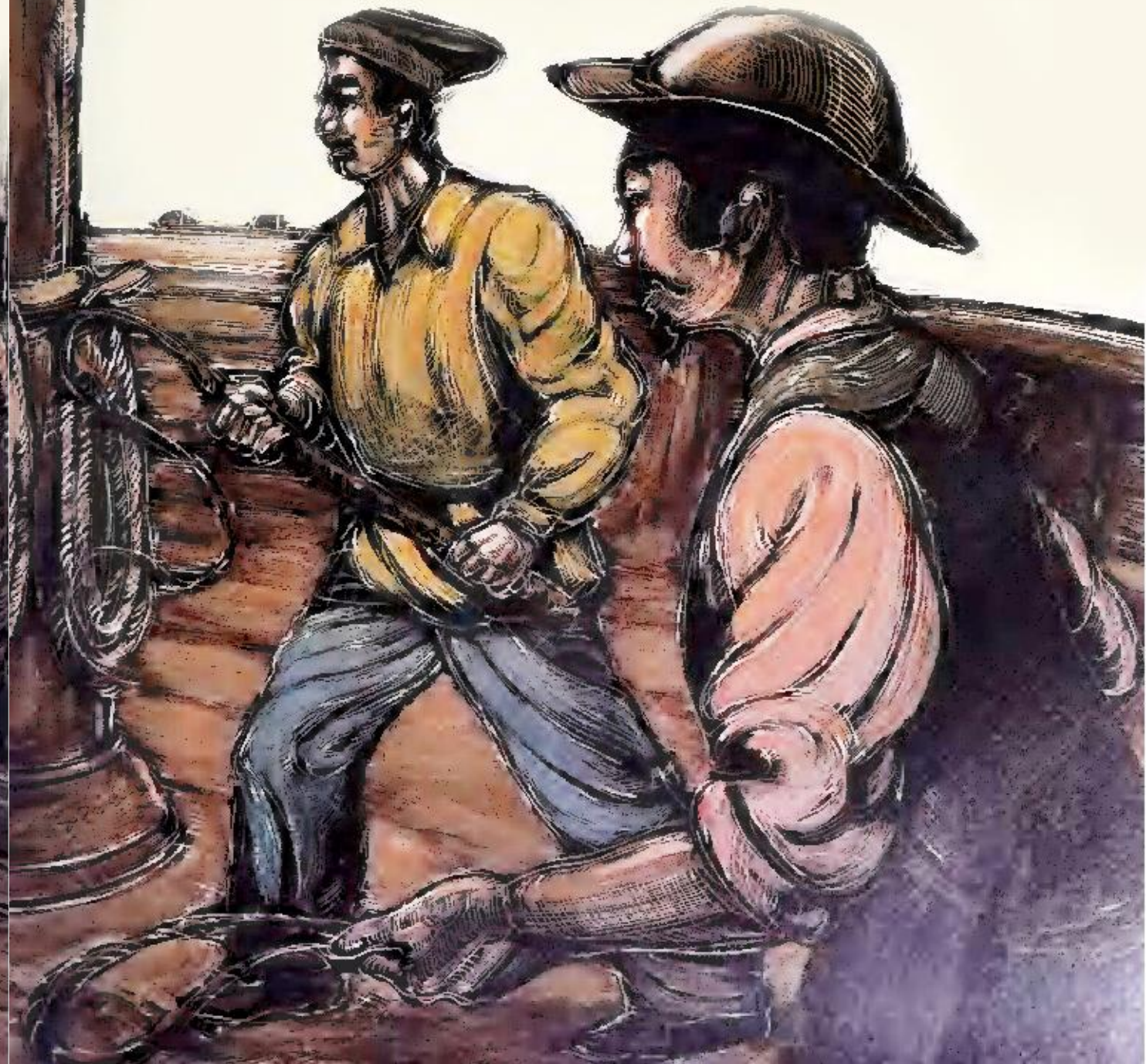
"वे क्या कह रहे हैं, ट्वी?" उसने पूछा. "वो सब कुछ एक जादू जैसा लगता है."

ट्वी की आँखें गहरे पानी पर चाँद की चमक की तरह चमक उठीं. "लोग पुराना जादू बहुत पहले ही भूल गए हैं बेटा," ट्वी ने फुसफुसाया. "वे लोग घर वापिस जाना चाहते हैं. देखो जो पानी उन्हें यहाँ लाया वो उन्हें वापस भी ले जा सकता है." उसने अपना जादुई बैग मेंटू के गले में लटका दिया. "वह पानी मुझे भी ले जा सकता है, मेंटू अब तुम काफी बड़े हो गए हो. अब तुम्हारे ताकतवर होने का समय करीब आ गया है."

मेंटू कांपने लगा. "क्या पानी मुझे भी ले जाएगा, ट्वी? मैं भी तुम्हारे साथ जाना चाहता हूँ."

उसकी दादी ने अपना सिर हिलाया. "पानी तुम्हें नहीं ले जाएगा. तुम यहाँ पर ही पैदा हुए थे. पानी दूसरों को नहीं ले जाएगा क्योंकि वे बहुत कुछ भूल गए हैं."

"लेकिन तुमने मुझे अपने सारे रहस्य नहीं सिखाए हैं, ट्वी," मेंटू रोया. "तुमने मुझे अभी तक नहीं बताया है कि मेरे जाने का समय कब आएगा."

ट्वी ने अपनी जीभ चटकाई. "तुम अभी भी एक शरारती लड़क हो. ट्वी ने तुम्हें बहुत सी बातें सिखाई हैं, मेंटू. जितना तुम सोचती हो उससे कहीं ज़्यादा रहस्य. लेकिन मैं तुम्हें एक और बात बताऊँगी. तुम्हारे ताकतवर होने का समय तब आएगा जब तुम्हारी पीठ खेतों में झुकी होगी और तुम्हारे हाथ रुई के फाहे से भरे होंगे. क्योंकि तब पुराने तरीके तुम्हारे अंदर कमज़ोर होने की कोशिश करेंगे. उन्हें ऐसा मत करने देना! पुरानी बातें न भूलने के लिए बहुत ताकत की ज़रूरत होती है कि तुम कौन हो? तुम कहाँ से आए हो? दूसरों को भी यह याद दिलाने में मदद करना. अब मुझे तुम्हें छोड़ देना होगा, मेरे बच्चे, मेरे दिल."

फिर ट्वी ने ड्रैगनफ़्लाई की तरह तेज़ी से, मेंटू को चूमा. फिर वो भागी. और जैसे-जैसे वह भागती गई, उसके शरीर से सालों की उम्र पिघलती गई, जैसे गर्म राख पर मक्खन पिघलता है. उसकी पीठ सीधी हो गई. उसके बाल काले और घने हो गए, और उसकी त्वचा चिकनी हो गई, जब तक कि वह उस युवती की तरह हो गई, जिसे कई साल पहले अफ़्रीका से लाया गया था. जब द्वीपवासियों ने यह परिवर्तन देखा, तो वे ट्वी से पहले से कहीं ज़्यादा डर गए और वे उसे जाने देने के लिए पीछे हट गए, किसी ने भी उसे रोकने की कोशिश नहीं की.

चट्टान से उसने अपने हाथ गोदी पर इबो लोगों की ओर बढ़ाए और उनसे बोली. "मेरे साथ आओ, मेरे भाइयों और बहनों. मैं तुम्हें घर ले जाऊँगी."
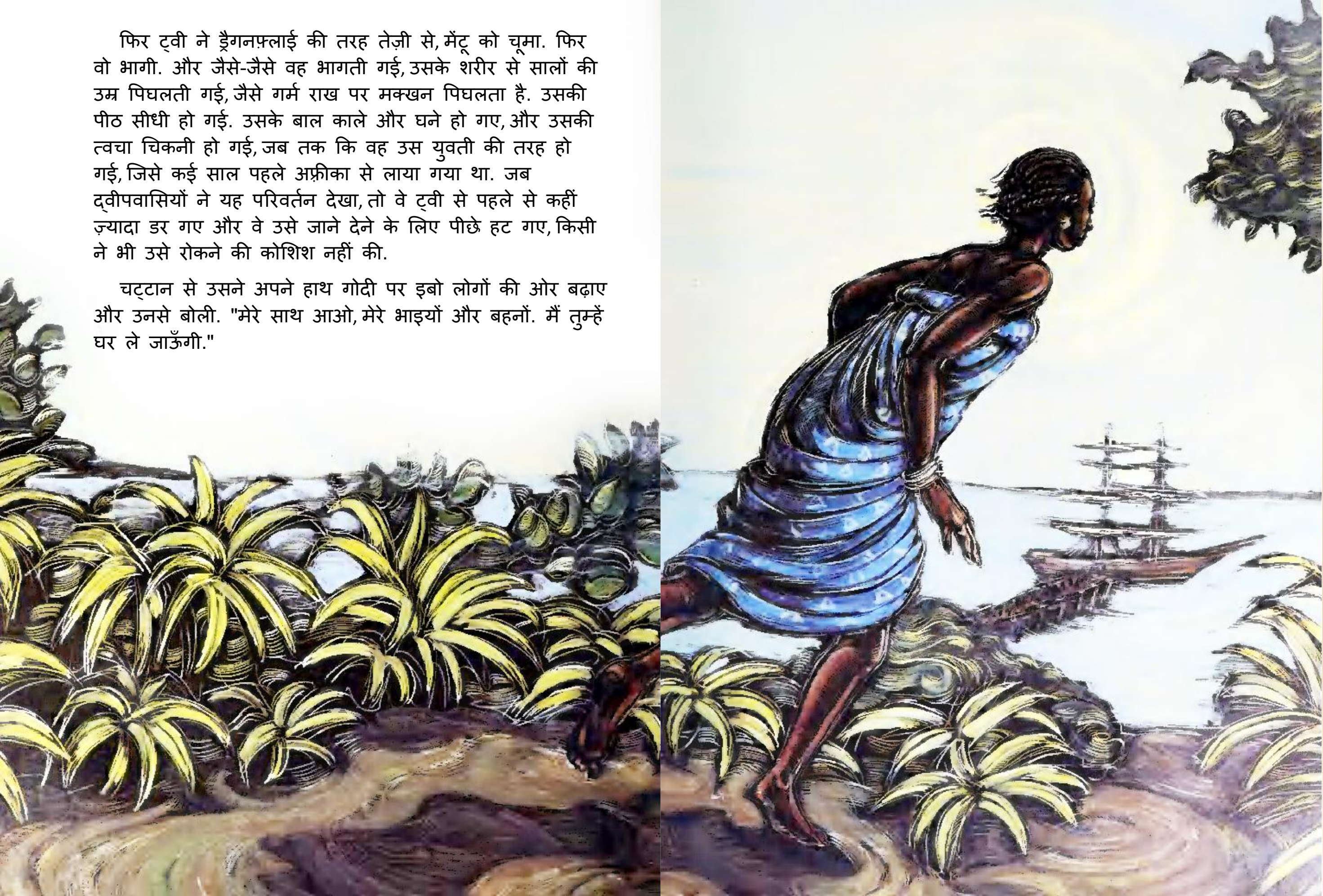
जब इबो लोग गोदी पार करके युवा ट्वी से मिलने के लिए ज़मीन पर आए, तो मेंटू रो पड़ा. गुलाम पकड़ने वालों ने उन्हें रोकने के लिए उनकी गर्दन और बाँहों में रस्सियों के फंदे डालने की कोशिश की, लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाए. रस्सियाँ मांस और हड्डियों में से ऐसे फिसल गईं, जैसे वे धुआँ और समुद्री पानी हों.

ट्वी ने इबो लोगों के साथ हाथ मिलाया और फिर वो उन्हें चट्टान से नीचे पानी के किनारे ले गई. "ट्वी!" मेंटू ने उसे पुकारा, लेकिन इस बार ट्वी उसके लिए भी पीछे नहीं मुड़ी.

वह टीकेटल क्रीक के पानी में कमर तक लोगों को ले जाते हुए मंत्रो का उच्चारण कर रही थी. मेंटू ने अपने आंसू पोंछे और उसके साथ-साथ अपनी आवाज में जितना संभव हो सका, उतनी मजबूती से मंत्रोच्चार किया, "पानी हमें घर ले जा सकता है. पानी हमें घर ले जा सकता है." मेंटू ने ट्वी के पास भागने की कोशिश की, लेकिन उसने पाया कि उसके पैर जमीन पर इस तरह से बंधे हुए थे कि वह हिल तक नहीं सकता था.

ट्वी और अन्य इबो लोगों ने अपने चेहरे आसमान की ओर उठाए, क्योंकि पानी उनके कंधों और फिर उनकी गर्दन पर चढ़ रहा था. लेकिन वे चलते रहे, क्योंकि उनकी जंजीरें टूट गईं थीं. "पानी हमें घर ले जा सकता है," उन्होंने गाया. "पानी हमें घर ले जा सकता है."

जब टीकेटल क्रीक उनके सिर के ऊपर से बह रही थी, तो उनका गाना बुलबुलों और झाग में बदल गया. मेंटू के पैर अचानक जमीन से दूर हो गए और वह पानी की ओर भागा, लेकिन वह पानी की सतह के नीचे ट्वी या इबो लोगों को नहीं देख सका.

समय बीतने के साथ-साथ मेंटू ने पीछे रह गए सभी लोगों को कसम खाकर बताया कि ट्वी और इबो लोग समुद्र के तल पर अफ्रीका वापस जाने के लिए पूरी तैयारी कर चुके थे; रेतीले फर्श पर वे एक-दूसरे को खींचते हुए, लंबी घास की तरह समुद्री शैवाल को एक तरफ धकेलते हुए आगे बढ़ रहे थे.

“लेकिन उनकी जंजीरें और उनका गाना टीकेटल क्रीक को कभी नहीं छोड़ेगा," दूसरों ने कहा. "और वहाँ का पानी हमेशा आँसुओं की तरह खारा बना रहेगा."
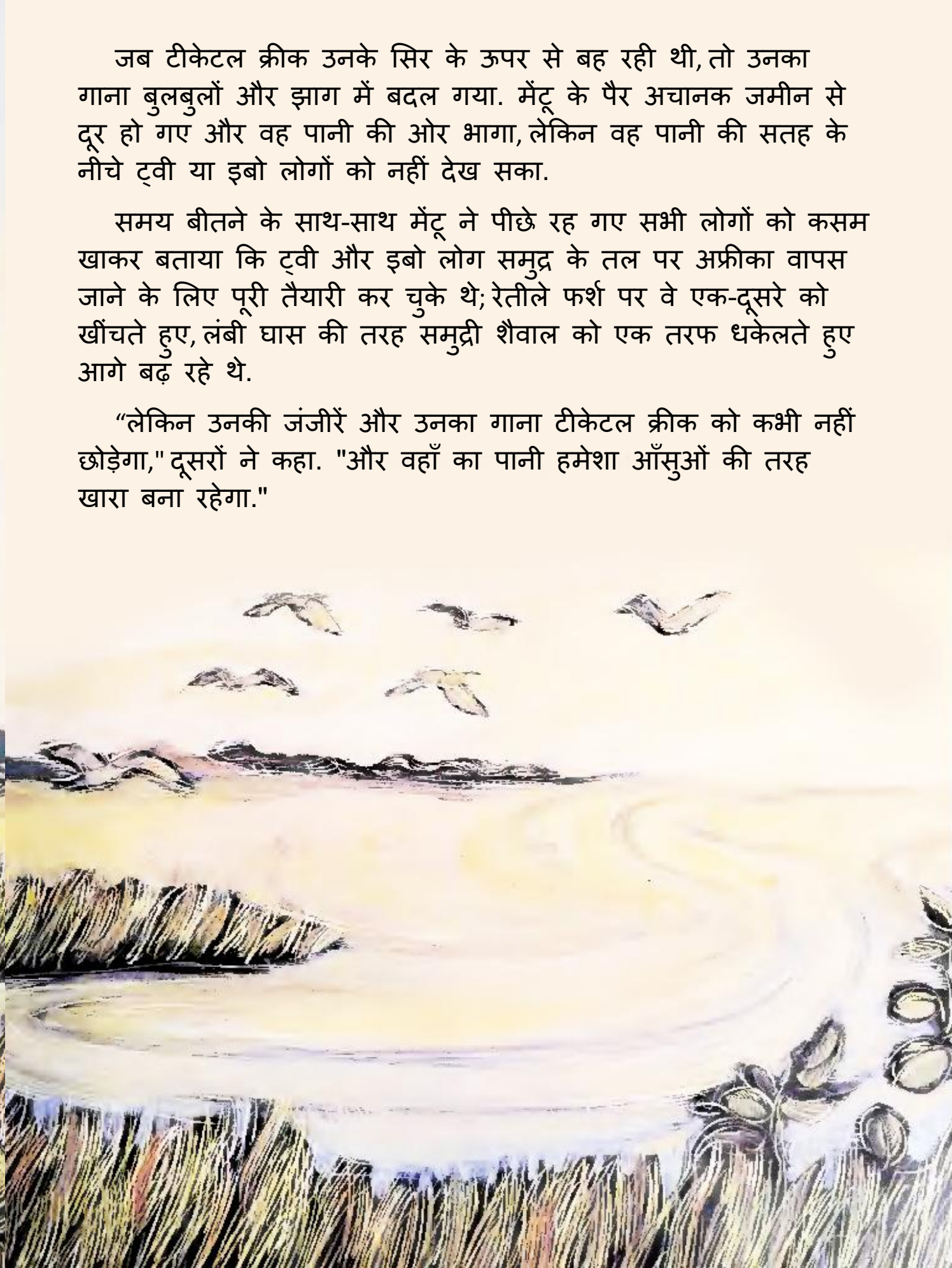
द्वीपवासियों ने उस स्थान को "एबो लैंडिंग" का नाम दिया. वहाँ मछली पकड़ना बंद कर दिया और नरम भूरे रंग की मिट्टी में धँसी उन जंजीरों को खींचने के डर से टीकेटल क्रीक में कभी कोई दूसरा जाल नहीं डाला गया. शाम को जब बर्फीले बगुले दलदली घास से आत्माओं की तरह उठते थे तो वे काँप उठते थे.

मेन्टू के लिए, उसने तपती धूप में खेतों में मज़बूत बने रहना सीखा, जैसा कि ट्वी ने उसे बताया था. उसने काम करते समय खुद के लिए और अपने बच्चों के लिए उसके पुराने गाने गाए जब तक कि बच्चे उन्हें गाना नहीं सीख गए. उसने उन्हें इतनी समृद्ध कहानियाँ सुनाईं कि उन्हें आश्चर्य हुआ कि क्या मेन्टू खुद अफ्रीका में रहता था. और उसने चमड़े के ड्रम पर तब तक ताल बजाई जब तक कि उन्हें अपने दिल की धड़कन महसूस नहीं हुई. उसने बच्चों को उनके अपने ड्रम दिए जिन्हें बच्चे एक साथ बजाते थे, मेंटू और उसके बच्चे.

और मेन्टू ने अपने बच्चों को सिखाया, और उन्होंने अपने बच्चों को सिखाया, गुलामी के समय और आज़ादी के समय और अब तक के समय में भी.

सच में, भूलो नहीं उसके लिए बहुत ताकत की ज़रूरत होती है.
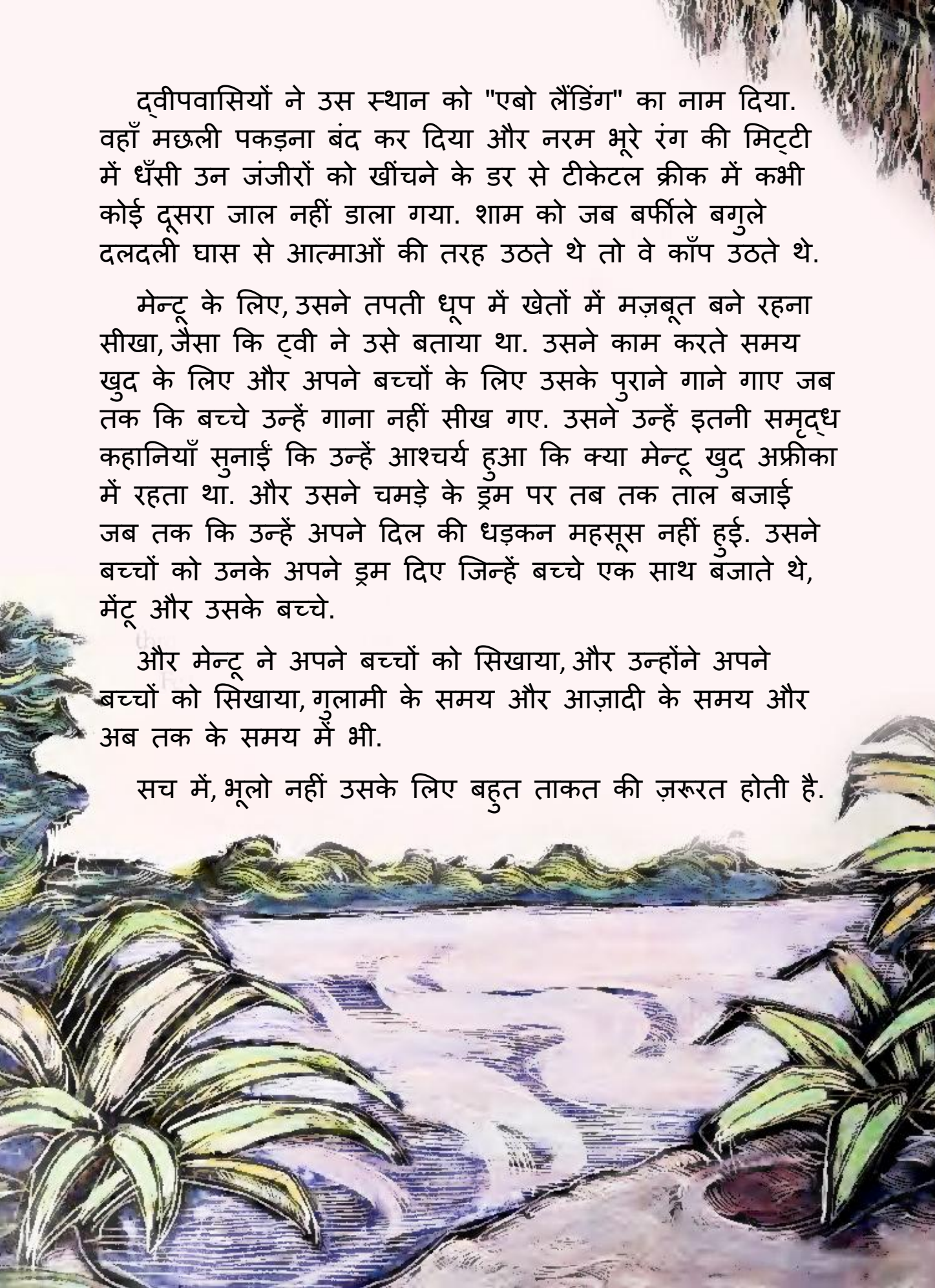
लेखक का नोट

"इन द टाइम ऑफ़ ड्रम्स" एक मौखिक वर्णन पर आधारित है जो जॉर्जिया और दक्षिण कैरोलिना के समुद्री द्वीपों के पास अफ्रीकी-अमेरिकी समुदायों की पीढ़ियों द्वारा पारित की गई थी. मैंने पहली बार अपनी नानी से यह कहानी सुनी, जिन्होंने मुझे इसे एक भूत की कहानी के रूप में सुनाया था. अक्सर इस कहानी को स्मृति के एक टुकड़े के रूप में या एक छोटी किंवदंती के रूप में याद किया जाता है. इस तरह की एक कहानी यूनिवर्सिटी ऑफ़ जॉर्जिया प्रेस द्वारा प्रकाशित पुस्तक *"ड्रम्स एंड शैडोज़"* में शामिल है.

कई समुद्री द्वीप समुदाय इस घटना की सच्चाई का दावा करते हैं. इनमें से अधिकांश का संबंध गुल्ला लोगों से है, या जैसा कि कुछ गुल्ला लोग खुद को कहते हैं, साल्टवाटर गीची लोग. गुल्ला शब्द की सटीक उद्गम अज्ञात है, लेकिन भाषाविदों और सामाजिक इतिहासकारों ने उसकी उत्पत्ति दास व्यापार से जोड़ी है. उस समय, गुल्ला अंगोला से लाए गए अफ्रीकियों को दर्शाता था. अब यह गुलाम बनाए गए काले सागर द्वीपवासियों के वंशजों और उनकी अनूठी संस्कृति को संदर्भित करता है.

गुलामों में, गुल्ला लोगों को अक्सर अलौकिक शक्तियों का श्रेय दिया जाता था: जादू की क्षमता, नियंत्रण करने की क्षमता, निर्जीव वस्तुओं को छोड़कर, उड़ना आदि. जैसा कि कहानी में आमतौर पर कहा जाता है, इबो लोगों ने नदी में चलते समय शारीरिक मृत्यु या "गुलाम से आज़ादी" को चुना. वास्तव में, कई अफ्रीकियों के लिए शारीरिक मृत्यु का आभास, उनके अंत का संकेत नहीं था. उनकी आत्मा मध्य मार्ग से वापस घर के किनारे तक यात्रा करके मुक्ति पा सकती थी. गुलाम बनाए गए अफ्रीकियों को विश्वास, दृढ़ विश्वास और आशा द्वारा सशक्त बनाया गया था. एक कहानीकार के रूप में, मैंने उनकी शक्तियों को पानी के नीचे चलने की क्षमता को शामिल करने के लिए कुछ और आगे बढ़ाया है.

इन बातों को ध्यान में रखते हुए, मैं सेंट सिमंस द्वीप पर "इबो लैंडिंग" वाले स्थान पर डनबर क्रीक में पानी के किनारे बैठ गया, और जंजीरों की खड़खड़ाहट को सुनने लगा; और पानी की आवाज़ सुनने लगा. तब मैंने "इन द टाइम ऑफ़ थे ड्रम्स" की कहानी सुनी.